छत्तीसगढ़ में तेंदुए का अवैध शिकार

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **कटघोरा वनमंडल** के अंतर्गत **चैतमा वन परिक्षेत्र** में लगभग सात वर्ष के **तेंदुए** का शव मिला था।

मुख्य बिंदु:

- अधिकारियों के अनुसार तेंदुए के शरीर के कुछ अंग गायब थे जिससे अवैध शिकार की अटकलें लगाई जा रही थीं।
- **सींग, दाँत, खाल या हड्डियों** जैसे वांछनीय शरीर के अंगों को बेचने के उद्देश्य से प्रायः वन्यजीवों का **अवैध शिकार, आखेट या हत्या** कर दी जाती है।
    - भारत के **वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (WCCB)** और संलग्न पुलिस अधिकारियों से उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार, देश में वर्ष 2012 और 2018 के दौरान 9,253 से अधिक शिकारियों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन सज़ा की दर सिर्फ 2% थी।
- **अवैध वन्यजीव व्यापार** उच्च लाभ मार्जिन और यहाँ तक कि कई मामलों में दुर्लभ प्रजातियों के लिये चुकाई जाने वाली **ऊँची कीमतों से प्रेरित होते हैं।**
- जब प्रकृति में मानव उपभोग की दर को बनाए रखने के लिये प्राकृतिक भंडार का पुनर्भरण नहीं हो पाता है तो कमज़ोर वन्य जीव विलुप्ति की कगार पर चले जाते हैं।
- **वन्य जीवों का अवैध शिकार** विशेष रूप से मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, राजस्थान, उत्तराखंड और असम **राज्यों में प्रचलित है।**

तेंदुए

//

- **वैज्ञानिक नाम: पैंथेरा पारडस (***Panthera pardus***)**
- **परिचय:**
    - पैंथेरा जीनस के सबसे छोटे सदस्य के रूप में बाघ, शेर (पैंथेरा लियो), जगुआर, **तेंदुए** तथा हिम तेंदुए आदि शामिल हैं, तेंदुए विभिन्न प्रकार के वातावरणों के लिये अपनी अनुकूलन क्षमता के लिये प्रसिद्ध है।
    - यह एक रात्रिचर जानवर है जो रात में शिकार करता है।

- यह जंगली सूअर, हॉग हिरण एवं चीतल सहित अपने क्षेत्र में छोटे शाकाहारी जानवरों को खाता है।
- तेंदुओं में मेलेनिज़्म एक आम घटना है, जिसमें जानवर की पूरी त्वचा काले रंग की होती है, जिसमें उसके धब्बे भी शामिल हैं।
- मेलेनिस्टिक तेंदुए को प्राय: **बलैक पैंथर** कहा जाता है और गलती से इसे एक अलग प्रजाति मान लिया जाता है।

- **प्राकृतिक आवास:**
  - यह **उप-सहारा अफ्रीका** में पश्चिमी और मध्य एशिया के छोटे हिस्सों एवं भारतीय उपमहाद्वीप से लेकर दक्षिण-पूर्व तथा पूर्वी एशिया तक विस्तृत क्षेत्र में पाया जाता है।
  - **भारतीय तेंदुआ (पैंथेरा पार्डस फुस्का)** भारतीय उपमहाद्वीप में व्यापक रूप से पाया जाने वाला तेंदुआ है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/leopard-poaching-in-chhattisgarh